प्रेस विज्ञप्ति

इरेडा के सीएमडी ने उत्कर्ष ओडिशा 2025 में ओडिशा की अक्षय ऊर्जा क्षमता के बारे में प्रकाश डाला

भुवनेश्वर, 29 जनवरी 2025

भारतीय अक्षय ऊर्जा विकास संस्था (इरेडा) के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री प्रदीप कुमार दास ने आज भुवनेश्वर में उत्कर्ष ओडिशा 2025 में "नवीकरणीय ऊर्जा और उपकरण विनिर्माण के सतत विकास" पर एक महत्वपूर्ण सत्र को संबोधित किया।

श्री दास ने इस बात पर प्रकाश डाला कि भारत के अक्षय ऊर्जा विस्तार के लिए वर्ष 2030 तक 500 गीगावाट का लक्ष्य हासिल करने के लिए उत्पादन, विनिर्माण, वित्तपोषण और कार्यबल कौशल के बारे में हस्तक्षेप की आवश्यकता है। इसके लिए अनुमानित 30-32 लाख करोड़ रुपये के निवेश की आवश्यकता के साथ, वैश्विक निधियों को आकर्षित करने, हरित बॉण्ड का विस्तार करने और इरेडा जैसी एनबीएफसी को सशक्त बनाने की नीतियाँ आवश्यक हैं।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया और कहा कि बुनियादी ढांचे, निवेश और नीति समर्थन के सही मिश्रण करने के पर , ओडिशा स्वयं को भारत के अक्षय ऊर्जा परिदृश्य में अग्रणी के रूप में स्थापित कर सकता है। ओडिशा वर्तमान समय में 2.94 गीगावाट की स्थापित अक्षय ऊर्जा क्षमता है, जिससे वर्ष 2030 तक 10 गीगावाट करने का लक्ष्य है। उन्होंने सौर, पवन, जलविद्युत और हरित हाइड्रोजन पहलों के क्षेत्र में बड़े पैमाने पर निवेश आकर्षित करने के लिए राज्य के भौगोलिक सुविधा, मजबूत औद्योगिक आधार और नीति समर्थन के बारे में प्रमुख विषयों के बारे में प्रकाश डाला।

ओडिशा में इरेडा के वित्तीय हस्तक्षेप महत्वपूर्ण रहे हैं,जोकि वित्तीय वर्ष 2025 की तीसरी तिमाही तक ओडिशा में स्थित परियोजनाओं के लिए 1,540 करोड़ रुपये से अधिक की लोन बुक उपलब्ध थी। अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं के लिए 4,315 करोड़ रुपये की संचयी ऋण स्वीकृति के साथ, जिनमें से 77% स्वीकृतियां वित्तीय वर्ष 20 से जारी की गई हैं और संचयी संवितरण 2,146 करोड़ रुपये से अधिक है ,और इरेडा इस वित्तपोषण के अंतराल को पाटने, हरित निवेश को बढ़ावा देने और स्वच्छ ऊर्जा परियोजनाओं की तेजी से तैनाती सुनिश्चित करके ओडिशा के अक्षय ऊर्जा परिवर्तन हेतु वित्तपोषित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

ओडिशा के माननीय उपमुख्यमंत्री, श्री कनक वर्धन सिंह देव ने अपने संदेश में ओडिशा को हरित ऊर्जा परिवर्तन के क्षेत्र में अग्रणी बनाने के लिए नीतिगत सुधारों और आवश्यक समर्थन करने का आश्वासन दिया। ओडिशा के प्रधान सचिव (ऊर्जा), श्री विशाल कुमार देव ने भी इस सत्र की शोभा बढ़ाई।

इस सत्र का समापन प्रमुख विषयों के साथ हुआ, जिसमें ओडिशा के नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में आरई डेवलपर्स द्वारा अपेक्षित ₹3.3 लाख करोड़ का निवेश और लगभग 7 एमएमटीपीए क्षमता वाली विनिर्माण परियोजनाओं और हरित अमोनिया उत्पादन सुविधाओं के बारे में प्रमुख घोषणाएँ शामिल हैं।